RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

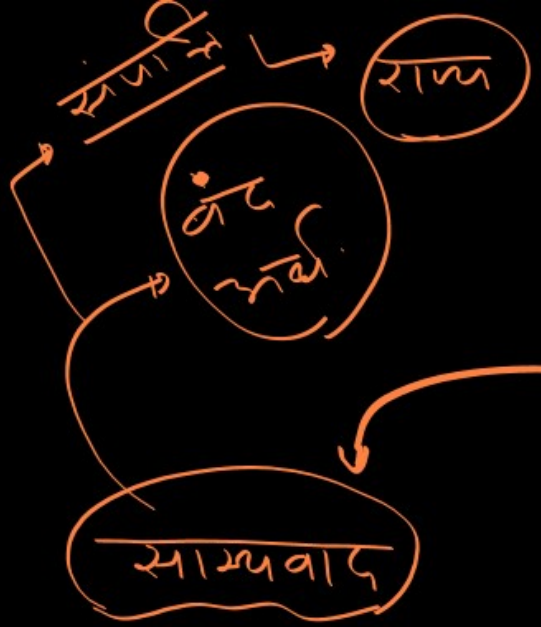
ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th POLITY

नियोजित विकास की राजनीति

RAPID REVISION





वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'खुली प्रतिस्पर्धा और बाजारमूलक अर्थव्यवस्था' की समर्थक विचारधारा है– (RBSE-2024)

अ वामपंथ

ब दक्षिणपंथ

स समाजवाद

द केंद्रीकृत नियोजन



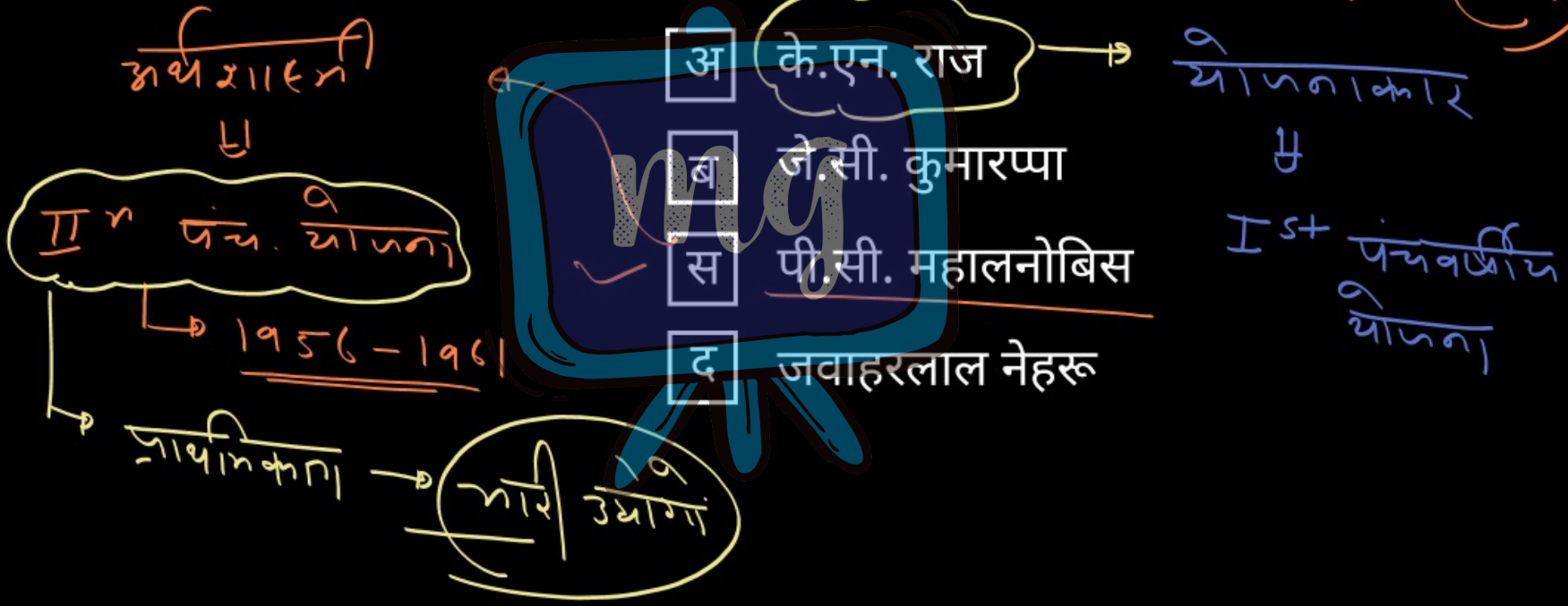
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1951-1956

2. दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे?

(RBSE-2024)



3. प्रथम पंचवर्षीय योजना से जुड़े प्रमुख अर्थशास्त्री कौन थे? (RBSE-2025)

अ पी.सी. महालनोबिस

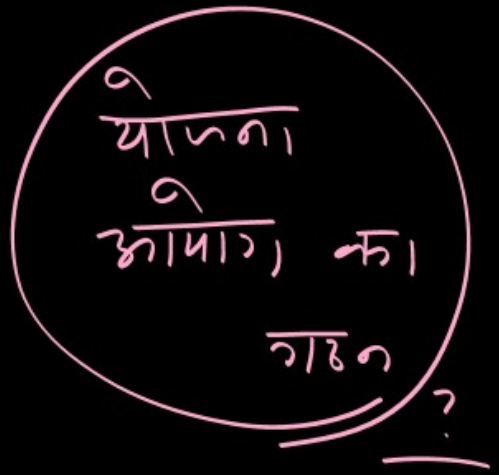
ब के.एन. राज

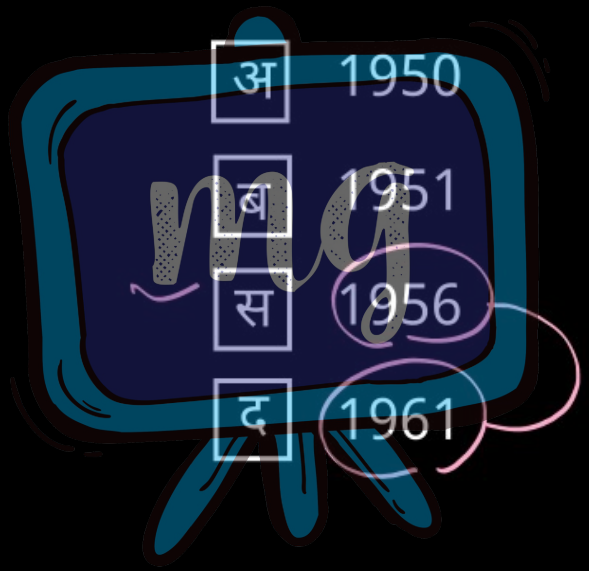
स जे.सी. कुमारप्पा

द इनमें से कोई नहीं

4. द्वितीय पंचवर्षीय योजना कब प्रारंभ हुई?

(RBSE-2025)



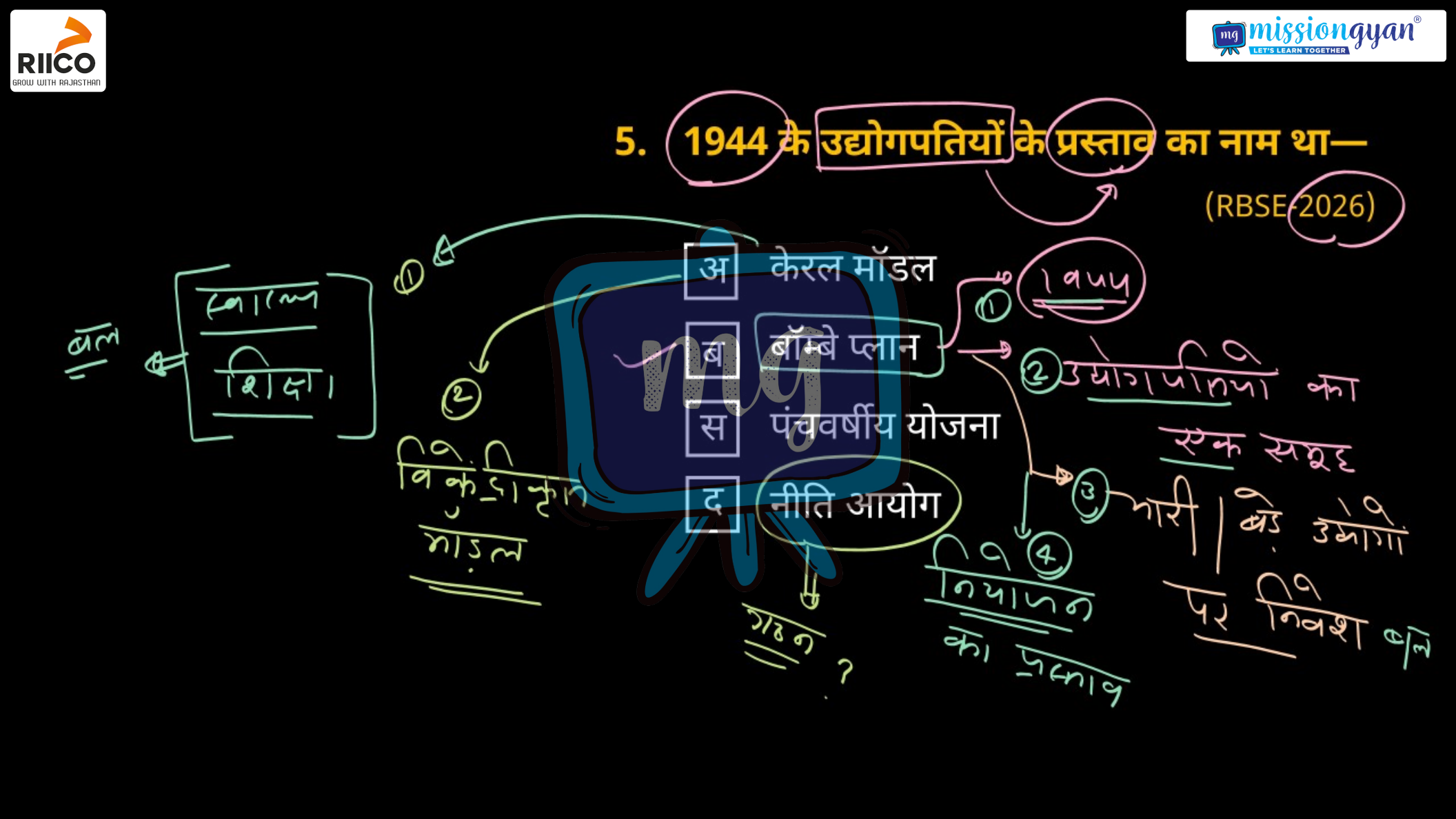


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. 1944 के उद्योगपतियों के प्रस्ताव का नाम था—

(RBSE-2026)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. उदारवादी पूँजीवादी विकास मॉडल का समर्थक देश है— (RBSE 2026)

(अ) सोवियत संघ → साम्यवादी से

(ब) संयुक्त राज्य अमेरिका

(स) भारत

(द) इनमें से कोई नहीं

मिश्रित अर्थ.

7. **प्रथम पंचवर्षीय योजना में किस क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई?** (Model Paper-2026)

1951-1956 → योजनाकाल ?

[अ] भारी उद्योग → II nd पंच. योजना

[ब] इस्पात उद्योग

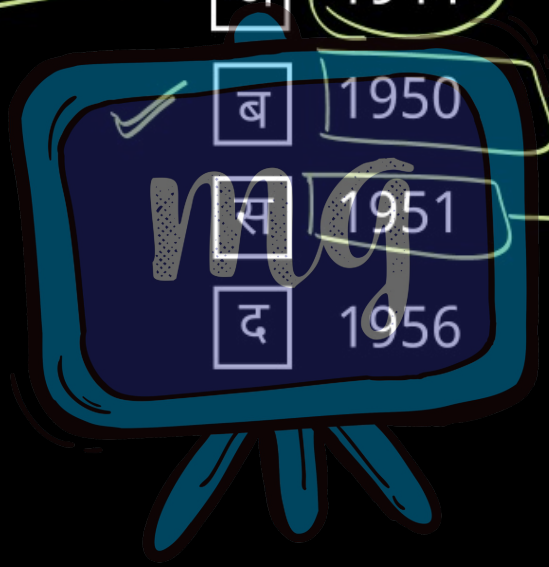
[स] कृषि

[द] मशीनरी उद्योग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

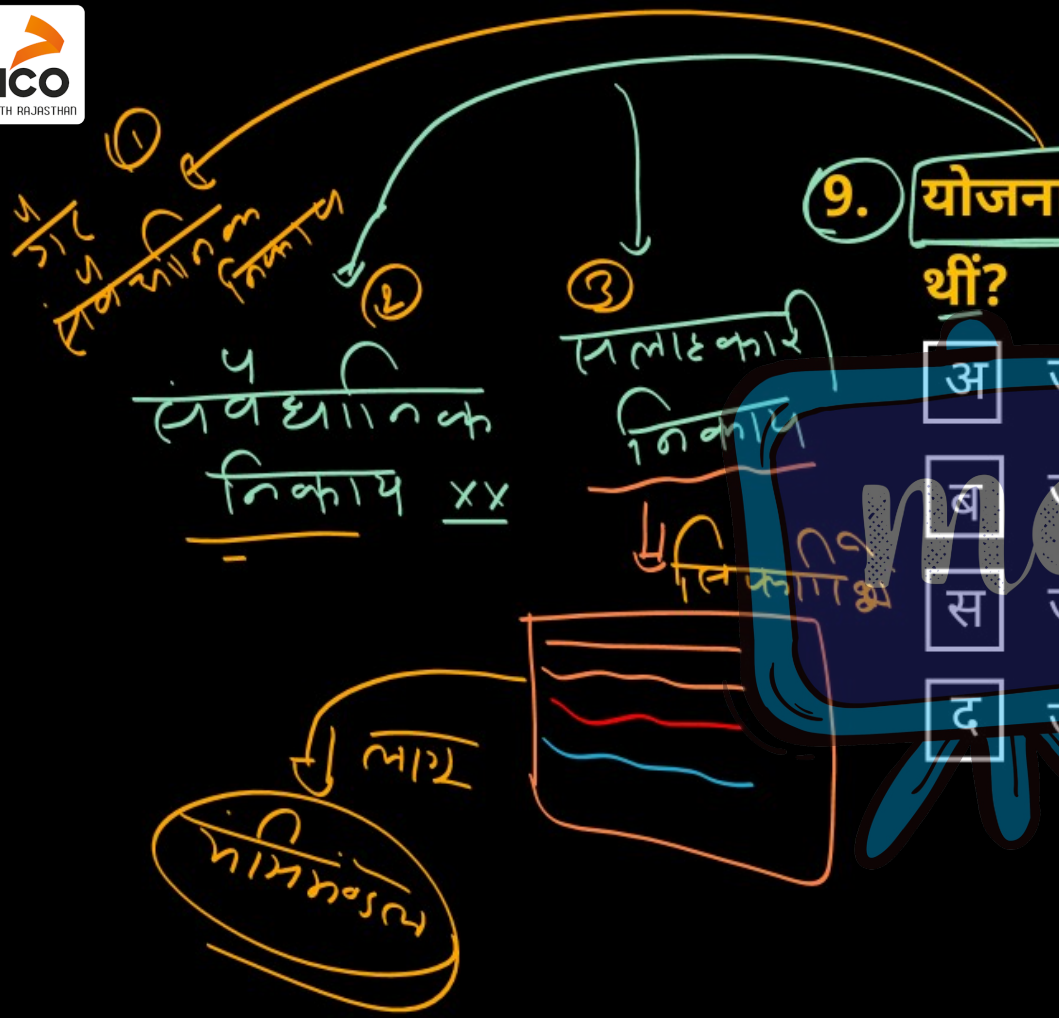
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत में योजना आयोग की स्थापना किस वर्ष हुई?



... - प्रश्न ?

I st FYP.



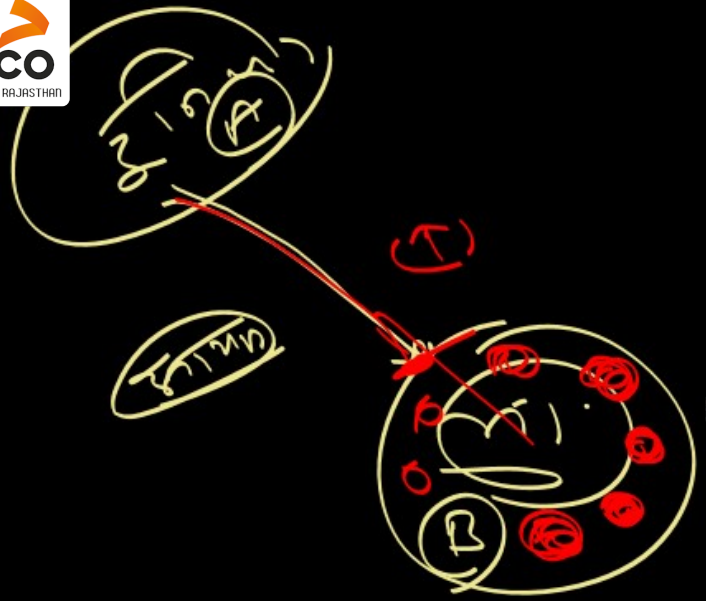
9. योजना आयोग की सिफारिशें कब प्रभावकारी होती थीं?

अ जब योजना का प्रारूप तैयार होता था

ब जब मंत्रिमंडल उन्हें मंजूरी देता था

स जब पाँच वर्ष पूरे होते थे

द जब उद्योगपति प्रस्ताव प्रस्तुत करते थे



10. दूसरी पंचवर्षीय योजना में देसी उद्योगों के संरक्षण के लिए क्या कदम उठाया गया?

अ आयात पर भारी शुल्क लगाया गया

ब आयात शुल्क पूरी तरह हटा दिया गया

स सरकारी नियोजन समाप्त कर दिया गया

द औद्योगिक निवेश रोक दिया गया

रिक्त स्थान

11. उद्योगपतियों के नियोजित अर्थव्यवस्था प्रस्ताव को कहा जाता है। (RBSE-2023)



12. योजना आयोग की स्थापना सन् 1950 में हुई। (RBSE-2025)



13. केरल में विकास और नियोजन का रास्ता _____ मॉडल कहलाया। (Model Paper-2026)

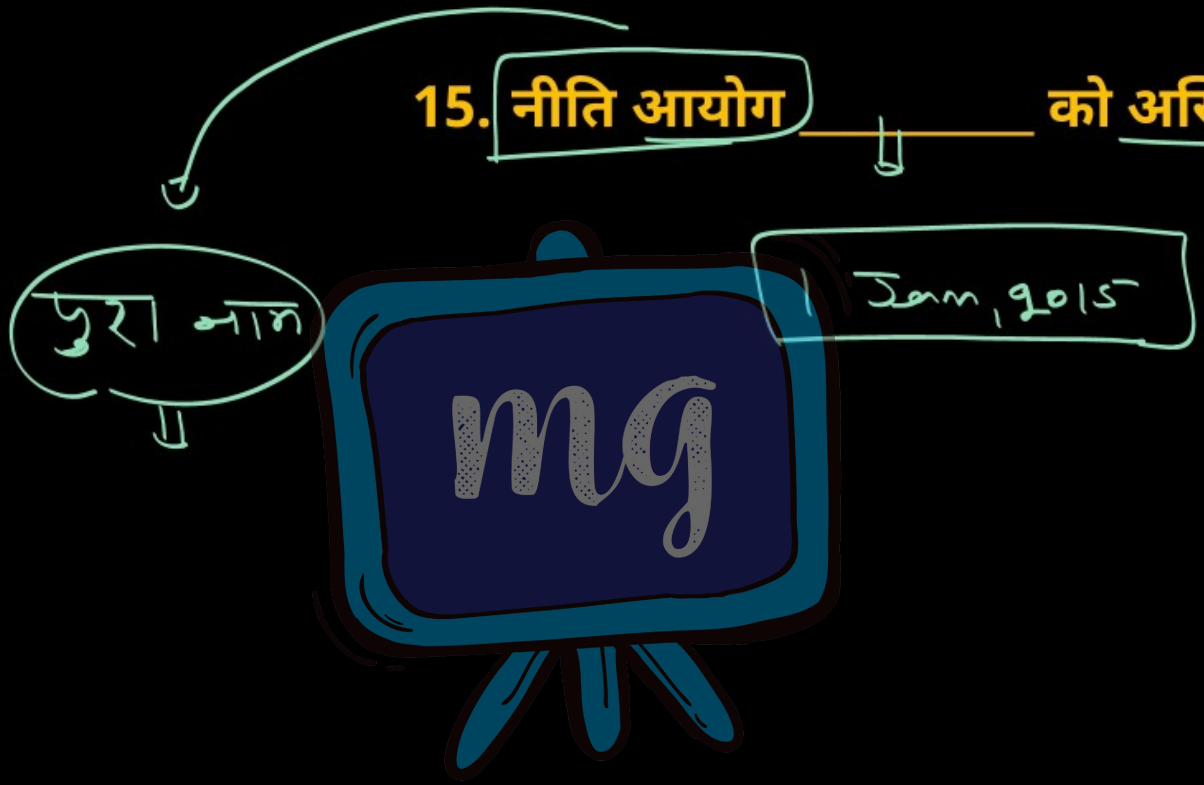


14. दूसरी पंचवर्षीय योजना में _____ उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया।

भारी



15. नीति आयोग _____ को अस्तित्व में आया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

16. प्रथम पंचवर्षीय योजना कब शुरू हुई?

(RBSE-2023)

उत्तर– प्रथम पंचवर्षीय योजना वर्ष 1951 में शुरू हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

17. वामपंथ से क्या अभिप्राय है?

(RBSE-2024)

उत्तर– वामपंथ वह विचारधारा है जो अर्थव्यवस्था में राज्य के नियंत्रण तथा मुक्त प्रतिस्पर्धा पर राज्य के विनियमन को प्राथमिकता देती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

18. आजादी के समय भारत के सामने विकास के दो मॉडल कौन-से थे? (RBSE-2025)



उत्तर–

1. उदारवादी-पूँजीवादी मॉडल
2. समाजवादी मॉडल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

19. भारत ने पंचवर्षीय योजना का विकल्प कहाँ से लिया? (RBSE-2025)



उत्तर– भारत ने पंचवर्षीय योजना का विकल्प सोवियत संघ से लिया।

20. योजना आयोग के स्थान पर कौन-सी संस्था बनाई गई? (Model Paper-2026)

उत्तर– योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग बनाया गया।

1 Jan, 2015

लघुत्तरात्मक प्रश्न

21. बॉम्बे प्लान की मूल अवधारणा क्या थी?

(RBSE-2024)

उत्तर- [illegible]

- उद्योगपतियों का एक समूह
- भारी उद्योगों पर
- नियोजित अर्थ. का
- प्लान/प्रस्ताव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. नियोजित अर्थव्यवस्था: भारत में आर्थिक विकास के लिए योजनाबद्ध व्यवस्था अपनाई जाए।
2. सरकार की भूमिका: सरकार आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाए।
3. औद्योगिक निवेश: सरकार औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए।
4. अन्य आर्थिक निवेश: औद्योगिक क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य आर्थिक क्षेत्रों में भी सरकारी निवेश हो।
5. उद्योगपतियों का समर्थन: 1944 में उद्योगपतियों के एक समूह ने इस प्रस्ताव को प्रस्तुत किया।

22. उड़ीसा में इस्पात संयंत्र स्थापित करने को लेकर विभिन्न पक्षों के हितों में क्या टकराव था?



1. राज्य सरकार: इस्पात उद्योग से पूँजी निवेश और रोजगार बढ़ाना चाहती थी।
2. केंद्र सरकार: उद्योगों को अनुमति नहीं देने से देश में पूँजी निवेश बाधित होने की आशंका थी।
3. आदिवासी समुदाय: लोगों को घरों से विस्थापन और आजीविका छिनने का डर था।
4. पर्यावरणविद्: खनन और उद्योगों से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ने की आशंका थी।
5. विकास संबंधी मतभेद: विभिन्न सामाजिक समूहों के लिए विकास का अर्थ और प्राथमिकताएँ अलग थीं।

23. भारत में पंचवर्षीय नियोजन अपनाने के प्रमुख लाभ लिखिए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. निश्चित अवधि: सरकार अगले पाँच वर्षों के लिए आमदनी और खर्च की योजना तैयार कर सकती थी।
2. स्पष्ट प्राथमिकताएँ: योजना-व्यय को निर्धारित विकास प्राथमिकताओं के अनुसार खर्च किया जा सकता था।
3. समग्र दृष्टिकोण: सरकार के सामने पूरी अर्थव्यवस्था की बड़ी तस्वीर रहती थी।
4. दीर्घकालीन हस्तक्षेप: सरकार अर्थव्यवस्था में लंबी अवधि के लिए विकास संबंधी कदम उठा सकती थी।
5. आर्थिक विकास की बुनियाद: शुरुआती योजनाओं ने भारत के आर्थिक विकास की आधारशिला रखी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

24. प्रथम पंचवर्षीय योजना पर विचार व्यक्त कीजिए।

(RBSE-2022)

उत्तर– भूमिका: प्रथम पंचवर्षीय योजना भारत में नियोजित आर्थिक विकास की शुरुआत थी। इसकी अवधि 1951–1956 थी। इसका प्रमुख उद्देश्य देश को गरीबी के संकट से निकालना और आर्थिक विकास की बुनियाद रखना था।

मुख्य बिंदु:

1. कृषि को प्राथमिकता: योजना में कृषि क्षेत्र के विकास पर सबसे अधिक जोर दिया गया।

2. गरीबी दूर करने का प्रयास: इस योजना का उद्देश्य भारत को गरीबी के मकड़जाल से निकालना था।

3. सिंचाई एवं बाँध: कृषि विकास के लिए सिंचाई सुविधाओं और बाँधों में निवेश किया गया।

4. भाखड़ा-नांगल परियोजना: इस विशाल परियोजना के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. भूमि सुधार: भूमि वितरण में विद्यमान असमानताओं को कृषि विकास की बाधा माना गया और भूमि सुधार पर जोर दिया गया।

6. राष्ट्रीय आय में वृद्धि: योजनाकारों का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय आय का स्तर ऊँचा करना था।

7. बचत को प्रोत्साहन: विकास के लिए आवश्यक पूँजी जुटाने हेतु लोगों की बचत बढ़ाने का प्रयास किया गया।

8. के.एन. राज का योगदान: इस योजना से जुड़े अर्थशास्त्री के.एन. राज धीमी और संतुलित विकास गति के समर्थक थे।

25. निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच भारत ने मध्यम मार्ग कैसे अपनाया? (RBSE-2022)

उत्तर– भूमिका: स्वतंत्रता के बाद भारत में आर्थिक विकास के लिए सरकार की प्रमुख भूमिका स्वीकार की गई, लेकिन निजी क्षेत्र को भी आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने दिया गया। इस प्रकार दोनों क्षेत्रों को विकास प्रक्रिया में स्थान मिला।

मुख्य बिंदु:

1. सरकार की प्रमुख भूमिका: आर्थिक विकास का कार्य पूरी तरह निजी हाथों में नहीं छोड़ा गया।

2. नियोजित विकास: योजना आयोग के माध्यम से सरकार ने विकास की योजनाएँ और प्राथमिकताएँ तैयार कीं।

3. सार्वजनिक क्षेत्र का विकास: बिजली, रेलवे, इस्पात, मशीनरी तथा संचार जैसे उद्योगों को सार्वजनिक क्षेत्र में विकसित किया गया।

4. निजी क्षेत्र की भागीदारी: निजी उद्योगों को भी आर्थिक विकास में कार्य करने के अवसर दिए गए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. घरेलू उद्योगों का संरक्षण: आयात पर भारी शुल्क लगाकर निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को संरक्षण दिया गया।

6. आर्थिक संवृद्धि और सामाजिक न्याय: स्वतंत्र भारत में विकास का उद्देश्य आर्थिक संवृद्धि के साथ सामाजिक-आर्थिक न्याय प्राप्त करना था।

7. दोनों क्षेत्रों का सह-अस्तित्व: निजी निवेश की भूमिका बनी रही और महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों में सरकार की भागीदारी भी रही।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

26. केरल मॉडल से क्या अभिप्राय है? (RBSE-2026)

उत्तर– भूमिका: केरल में विकास और नियोजन के लिए अपनाए गए विशिष्ट रास्ते को केरल मॉडल कहा जाता है। इस मॉडल में सामाजिक विकास और जनता की भागीदारी को प्रमुख स्थान दिया गया।

1. शिक्षा को प्राथमिकता: शिक्षा के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया।

2. स्वास्थ्य सुविधाएँ: लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

3. भूमि सुधार: भूमि सुधार को विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता माना गया।

4. खाद्य वितरण: कारगर खाद्य-वितरण व्यवस्था को महत्व दिया गया।

5. गरीबी उन्मूलन: गरीबी दूर करने के लिए विकास संबंधी प्रयास किए गए।

6. सामाजिक उपलब्धियाँ: अध्याय के अनुसार साक्षरता, आयु प्रत्याशा तथा स्वास्थ्य संबंधी सूचकों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुईं।

7. जनभागीदारी: स्वयंसेवी नागरिक संगठनों के माध्यम से लोगों को विकास गतिविधियों में शामिल किया गया।

8. विकेंद्रित नियोजन: पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर योजनाएँ तैयार करने में जनता की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास हुए।